भारतात्मा अशोकजी सिंघल उत्तम वेदविद्यालय पुरस्कार - २०२५

आवेदन (भाग-१ व भाग-२) हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

आवेदन दिनांक -

भाग-१ - २०२५-७-१ से २०२५-८-३१

भाग-२ - २०२५-७-१५ से २०२५-८-३१

आवेदनपत्र भरने से पूर्व आवेदन हेतु योग्यताओं / नियमों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें।

१. सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा विजेता के आँकलन का मूल आधार वेदविद्यालय का आवेदन-पत्र ही है। अतः आवेदनपत्र में माँगी गई सभी जानकारियाँ पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से भरें।
२. भारतात्मा पुरस्कार की उत्तम वेदविद्यालय श्रेणी हेतु आवेदन दो चरणों (भाग-१ एवं भाग-२) में आमन्त्रित किए जा रहे हैं।
३. आवेदनपत्र भाग-१ में वेदविद्यालय सम्बन्धी आवश्यक प्राथमिक जानकारियाँ तथा भाग-२ में वेदविद्यालय की अध्ययन-अध्यापन परम्परा सम्बन्धी विस्तृत जानकारियाँ माँगी गई हैं।
४. सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा भाग-१ की समीक्षा के उपरान्त चयनित वेदविद्यालय को ही भाग-२ भरने हेतु सूचित किया जाएगा।

आवेदन सम्बन्धी योग्यता / मापदण्ड

यदि मापदण्डों की पूर्णता में कोई सन्देह हो, तो भी आप अपने वेदविद्यालय के आवेदन को यथायोग्य अवश्य भरें, सिंघल फॉउण्डेशन आँकलन के समय आपसे सम्पर्क कर आवेदन पत्र को संशोधित कर लेगा।

१. वेदविद्यालय का सञ्चालन केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, धार्मिक संस्था, दातव्य न्यास, मन्दिर, मठ अथवा कुमाराध्यापक या एक वेदाध्यापक द्वारा अपने घर में किया जा रहा हो तथा वेदविद्यालय में श्रुति व वैदिक परम्परा से वेदाध्यापन हो रहा हो।
२. आपका वेदविद्यालय न्यूनतम बीस वर्ष से निरन्तर चल रहा हो। यदि इस बीच की किसी अवधि में वेदविद्यालय बन्द रहा हो परन्तु वेदविद्यालय में वेदाध्यापन की कुल अवधि बीस वर्षों से अधिक हो और विगत पाँच वर्षों से निरन्तर वेदाध्यापन हो रहा हो, तब भी वेदविद्यालय के आवेदन की पात्रता है।
३. यदि आपका वेदविद्यालय केन्द्र / राज्य सरकार, संस्था, न्यास, मन्दिर अथवा मठ द्वारा सञ्चालित है तो वर्तमान में वेदविद्यालय में न्यूनतम १ वेदाध्यापक और ५ वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
४. यदि आपका वेदविद्यालय कुमाराध्यापक या वेदाध्यापक द्वारा सञ्चालित वेदविद्यालय या गुरुगृह है तो वर्तमान में वेदविद्यालय में न्यूनतम १ वेदाध्यापक और ३ वेदविद्यार्थी होने चाहिए।
५. **भारतात्मा पुरस्कार के पूर्व विजेता :** आपका वेदविद्यालय ने विगत पाँच वर्षों में उत्तम वेदविद्यालय की श्रेणी में भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार प्राप्त नहीं किया हो।

आवेदनपत्र (भाग-१ व भाग-२) को भरने से सम्बन्धित विशेष दिशानिर्देश

१. भारतात्मापुरस्कार हेतु ऑफलाइन आवेदन (भाग-१ व भाग-२) नियत दिनांक के पूर्व सिंघल फाउण्डेशन के कार्यालय में डाक, इमेल के माध्यम से अथवा स्वयं उपस्थित होकर जमा करें।
२. आवेदन हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में ही भरें।
३. आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले प्रमाणपत्र/अङ्कतालिका हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी से भिन्न भाषा में हो, तो उक्त प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि पर नाम, प्रमाणपत्र/अङ्कतालिका की दिनाङ्क, विषय इत्यादि आवश्यक जानकारियों को हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी में लिखकर प्रतिलिपि संलग्न करें।
४. किसी भी प्रकार के मूल अभिलेख आवेदन के साथ संलग्न न करें।
५. आवेदन जमा करने से पूर्व भली प्रकार से भरे हुए आवेदन को जाँच लें, कि आपके द्वारा भरा हुआ आवेदन पूर्ण एवं सही है।
६. आवेदन सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सम्पर्क करे सकते हैं।
७. आप आवेदन निम्न माध्यम से कार्यालय में भेज सकते हैं।
    - **डाक / कूरियर द्वारा:** सिंघल फॉउण्डेशन C/O सिक्योर मीटर्स लिमिटेड, ई क्लास प्रताप नगर इण्डस्ट्रियल एरिया, उदयपुर ३१३००१, राजस्थान।
      Singhal Foundation C/O Secure Meters Ltd
      E Class Pratap Nagar Industrial Area Udaipur 313001 Rajasthan,
      Mobile - +917357658777.
    - **ईमेल:** applications@bharatatmapuraskar.org (.pdf file 3 MB से बड़ी न हो)
    - **मोबाइल:** +91 73576 58777

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२५

उत्तम वेदविद्यालय

वेदविद्यालय आवेदनपत्र भाग – १

१. वेदविद्यालय का नाम :____

२. वेदविद्यालयका पूरा पता :

____

____

____

३. संस्था प्रमुख की जानकारी :

३.१. नाम :____

३.२. पूरा पता : ____

____

____

३.३. मोबाइल नम्बर :____

३.४. ईमेल आई डी : ____

४. वेबसाइट : ____

५. आवेदन से सम्बन्धित प्रमुख सम्पर्क अधिकारी / संस्था प्रमुख :

५.१. नाम :____

५.२. पूरा पता : ____

____

____

५.३. मोबाइल नम्बर: ____

५.४. ईमेल आई डी : ____

६. आवेदन सम्बन्धी चर्चा आपसे किस भाषा में की जाए?

☐ हिन्दी ☐ संस्कृतम् ☐ English

७. संस्थापकों से सम्बन्धित जानकारी :

७.१. यदि संस्था न्यास (ट्रस्ट) है :

७.१.१. न्यास का नाम :____

७.१.२. पञ्जीकरण सं० :____

७.१.३. मुख्य न्यासी का नाम : ____________________________________

७.१.४. मोबाइल नम्बर : ____

७.१.५. ईमेल आईडी० : ____

७.२. यदि अन्य संस्था है **:**

७.२.१. प्रायोजक का नाम :_______________________________________

७.२.२. संस्थापक का पूरा पता : ___________________________________

____

____

७.२.३. प्रायोजक संस्थाप्रमुख का नाम :_______________________________

७.२.४. मोबाइल नम्बर : ____

७.२.५. ईमेल आईडी० :____

७.३. यदि व्यक्तिगत संस्था हो :

७.३.१. प्रमुख संस्थापक का नाम :___________________________________

७.३.२. प्रायोजक का पता : ____

____

____

७.३.३. मोबाइल नम्बर :____

७.३.४॥ ईमेल आईडी० :____

८. वेदविद्यालय में वेदाध्यापन प्रारम्भ होने की दिनांक :________________________

९. क्या किसी कालखण्ड में वेदविद्यालय पूर्णतया बन्द रहा? यदि हाँ तो कब से कब तक? : ____

१०.संस्था में कौन-कौन से वेद और वेदशाखाओं का अध्यापन वर्तमान में हो रहा है? कृपया ✓ ऐसा चिह्न करें :

ऋग्वेद	☐ शाकल	☐ बाष्कल	☐ शांखायन	
शुक्ल यजुर्वेद	☐ काण्व	☐ माध्यन्दिन		
कृष्ण यजुर्वेद	☐ तैत्तिरीय	☐ मैत्रायणी		
सामवेद	☐ कौथुम	☐ जैमिनीय	☐ राणायणीय	
अथर्ववेद	☐ शौनक	☐ पैप्पलाद		

११.वर्तमान में संस्था में कितने पूर्णकालिक / अंशकालिक अध्यापक हैं? (यदि एक अध्यापक एकाधिक वेदशाखाएँ पढाते हैं तो उन्हें स्ववेदशाखा में ही जोड़ें)

वेदशाखा	पूर्णकालिक अध्यापक	अंशकालिक अध्यापक	कुल अध्यापक
ऋग्वेद -शाकलशाखा			
ऋग्वेद-बाष्कलशाखा			
ऋग्वेद-शांखायनशाखा			
कृष्णयजुर्वेद-काण्वशाखा			
कृष्णयजुर्वेद-माध्यन्दिनशाखा			
शुक्लयजुर्वेद-तैत्तिरीयशाखा			
शुक्लयजुर्वेद-मैत्रायणीशाखा			
सामवेद-कौथुमशाखा			
सामवेद-जैमिनीयशाखा			

सामवेद-राणायणीयशाखा			
अथर्ववेद-शौनकशाखा			
अथर्ववेद-पैप्पलादशाखा			
कुल योग			

१२.अध्यापकों द्वारा दुर्लभ वेदशाखा या उच्च वेदज्ञान के अध्ययन / अध्यापन हेतु किये जा रहे प्रयासों का विवरण दीजिए (उत्तर चार पँक्तियों में सीमित रखे) :

____

____

____

____

१३.वेदविद्यार्थी से सम्बन्धित जानकारी :

१३.१. वर्तमान वेदविद्यार्थियों की संख्या

वेद / वेदशाखा	मूलान्त-विद्यार्थी	स्तर-१ के विद्याथी	स्तर-२ के विद्यार्थी	स्तर-२ से आगे पढ़ रहे विद्यार्थी	**योग**
ऋग्वेद / शाकलशाखा					
ऋग्वेद / बाष्कलशाखा					
ऋग्वेद / शांखायनशाखा					
कृष्ण यजुर्वेद / काण्वशाखा					
कृष्ण यजुर्वेद / माध्यन्दिनशाखा					
शुक्ल यजुर्वेद / तैत्तिरीयशाखा					

शुक्ल यजुर्वेद / मैत्रायणीशाखा					
सामवेद / कौथुमशाखा					
सामवेद / जैमिनीयशाखा					
सामवेद / राणायणीयशाखा					
अथर्ववेद / शौनकशाखा					
अथर्ववेद / पैप्पलादशाखा					
कुल योग					

१३.२. विगत पाँच वर्षों में वेदविद्यार्थियों की स्थिति (वेदविद्यालय के शैक्षणिक सत्रानुसार दीजिए) :

वर्ष	सत्रारम्भ में वेदविद्यार्थियों की संख्या	सत्र में नये वेदविद्यार्थी जुड़े	वेदाध्ययन पूर्ण करने वाले वेदविद्यार्थियों की संख्या	अपूर्ण वेदाध्ययन कर विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थी	सत्रान्त में वेदविद्यार्थियों की संख्या
२०२४					
२०२३					
२०२२					
२०२१					
२०२०					

१३.३ संलग्न वेद समकक्षता सूची के अनुसार विगत पाँच वर्षों में परीक्षा उत्तीर्ण हुए वेदविद्यार्थियों की सूचना। (वेदविद्यार्थियों की गणना उत्तीर्ण उच्चतम परीक्षा सारणी में ही करें। अर्थात् - जिस विद्यार्थी ने मूलान्त उत्तीर्ण करने के बाद स्तर-१ की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली है, तो उस विद्यार्थी की गणना स्तर-१ में ही करें, मूलान्त सूची में नहीं।)

स्तर	मूलन्त	स्तर-१	स्तर-२	स्तर-२ से आगे	कुल योग
ऋग्वेद					
शुक्ल यजुर्वेद					
कृष्ण यजुर्वेद					
सामवेद					
अथर्ववेद					
कुल जोड़					

१४.वेदविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य(उत्तर चार पँक्तियों में सीमित रखे) :

____

____

____

____

१५.संस्था की वेदप्रसार या वेदरक्षा क्षेत्र की वे विशेष उपलब्धियाँ जो उसे इस पुरस्कार के योग्य बनाती हों(उत्तर चार पँक्तियों में सीमित रखे) :

____

____

____

____

१६.जनसाधारण के लिये वेदविषयक प्रबोधन उपक्रमों का विवरण (उत्तर चार पंक्तियों में सीमित रखिये) :

____

____

____

____

१७. आपके वेदविद्यालय की तीन ऐसी उपलब्धियाँ बतायें जिनसे आप स्वयं गौरवान्वित हैं। (उत्तर चार पंक्तियों में सीमित रखिये) :

____

____

____

____

१८. विगत पाँच वर्षों में निष्पादित वेद सम्बन्धित कार्यक्रमों (पारायण, स्वाहाकार इत्यादि) का विवरण (उत्तर चार पँक्तियों में सीमित रखिये) :

____

____

____

____

संस्था प्रमुख का शपथ-पत्र

मैं (संस्था प्रमुख का पूरा नाम) ____________________________________ एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि:

- इस वेद विद्यालय में वेदाध्यापन विगत ____ वर्षों से निरन्तर चल रहा है;
- इस आवेदन पत्र में दी गई सभी सूचनाएँ पूर्णतया सत्य हैं; तथा
- इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाण-पत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि इस शपथ-पत्र में दी गई कोई भी जानकारी असत्य पाई गई तो यह वेगविद्यालय, इसमें कार्यरत सभी अध्यापक व अध्ययन कर रहे सभी विद्यार्थी हमेशा के लिये भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माने जा सकते हैं।

मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

मैं इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूँ।

संस्था प्रमुख का पूरा नाम : ____

संस्थाप्रमुख के हस्ताक्षर   दिनांक : _____________   स्थान : ___________